

१०
पाठ

अतिथि सकार
अतिथि सत्कार

अतिथि सत्कार

महापात्र : नमस्कार उद्घारी बाबू ।
महापात्र : नमस्कार तिवारी बाबू ।
उद्घारी : नमस्कार ।
तिवारी : नमस्कार ।
महापात्र : उठरकू आयनू ।
महापात्र : भितरकु आसंतु ।
उद्घारी : धन्यवाद ।
तिवारी : धन्यवाद ।
महापात्र : लता ! इए मो शांग
उद्घारी । आम अपेस्कर बड़
. बाबू । धूंक घर
उठरपुदेशर लक्ष्मीरे ।
महापात्र : लता ! इए मो सांग रमेश तिवारी ।
आम अफिस्सर बड़बाबू । यांक घर
उत्तरप्रदेशर लखनऊरे ।
लता : नमस्कार ।
लता : नमस्कार ।
उद्घारी : नमस्कार भाऊज । मूँ

महापात्र : नमस्कार तिवारी बाबू ।

तिवारी : नमस्कार ।

महापात्र : अंदर आइए ।

तिवारी : धन्यवाद ।

महापात्र : लता ! ये मेरे मित्र तिवारी हैं । हमारे
ऑफिस के बड़बाबू । इनका घर
उत्तर प्रदेश के लखनऊ में है ।

लता : नमस्कार ।

तिवारी : नमस्कार भाभी । मैं आपके पति का
मित्र हूँ ।

आपଣଙ୍କ ସୁମୀଳର ସାଂଗ ।

ତିଵାରୀ : ନମସ୍କାର ଭାଉଜ । ମୁଁ ଆପଣଙ୍କ
ସ୍ଵାମିଙ୍କର ସାଂଗ ।

ମହାପାତ୍ର : ତିଖାରୀ ବାବୁ ! ଏମାନେ ମୋ
ପୁଅଥିଅ । ପିଲାମାନେ, ନମସ୍କାର
କର ।

ମହାପାତ୍ର : ତିଵାରୀ ବାବୁ, ଏମାନେ ମୋ ପୁଅଞ୍ଜିଆ ।
ପିଲାମାନେ, ନମସ୍କାର କର ।

ପ୍ରାର୍ଥନା ଓ : ନମସ୍କାର ମରଦା ।
ପ୍ରତୀକ

ପ୍ରାର୍ଥନା ଓ : ନମସ୍କାର ମତସା ।
ପ୍ରତୀକ

ତିଖାରୀ : ନମସ୍କାର, ତୁମ ନାଁ କ'ଣ ।

ତିଵାରୀ : ନମସ୍କାର, ତୁମ ନାଁ କ'ଣ?

ପ୍ରତୀକ : ମୋ ନାଁ ପ୍ରତୀକ ଆଉ ଲେ ମୋ
ଥପା ପ୍ରାର୍ଥନା ।

ପ୍ରତୀକ : ମୋ ନାଁ ପ୍ରତୀକ ଆଉ ଇଏ ମୋ
ପ୍ରାର୍ଥନା ।

ମହାପାତ୍ର : ଲତା ! ତୁମେ ଯାଆ, କିଛି
ଜଳଖିଆ ଆଣ । ପୁଅଥମେ ପାଣି
ଆଣ । ତା'ପରେ ତା' ।

ମହାପାତ୍ର : ଲତା ! ତୁମେ ଜାଆ, କିଛି ଜଳଖିଆ
ଆଣ । ପ୍ରଥମେ ପାଣି ଆଣ । ତାପରେ
ଚା' ।

ଲତା : ଆହୁ ହୃଦ ।

ଲତା : ଆହା ହତ ।

ମହାପାତ୍ର : ପ୍ରାର୍ଥନା ତୁ ଯା' । ବୋଇକୁ
ସାହାଯ୍ୟ କର ।

ମହାପାତ୍ର : ତିଵାରୀ ବାବୁ ! ଯେ ମେରେ ବେଟା-ବେଟୀ ହୁଁ ।
ବଚ୍ଚୋ, ନମସ୍କାର କରୋ ।

ପ୍ରାର୍ଥନା ଓ : ନମସ୍କାର ମୌସାଜୀ ।
ପ୍ରତୀକ

ତିଵାରୀ : ନମସ୍କାର । ତୁମରା ନାମ କ୍ୟା ହୈ ?

ପ୍ରତୀକ : ମେରା ନାମ ପ୍ରତୀକ ହୈ ଓ ଯହ ମେରୀ
ଦୀଦୀ ପ୍ରାର୍ଥନା ହୈ ।

ମହାପାତ୍ର : ଲତା ! ତୁମ ଜାଆ, କୁଛ ଜଲପାନ
ଲାଆ । ପହଲେ ପାନୀ ଲାଆ । ଫିର
ଚାଯ ।

ଲତା : ଅଚ୍ଛାଜୀ ।

ମହାପାତ୍ର : ପ୍ରାର୍ଥନା ! ତୁ ଜା, ମାଁ କି ସହାୟତା
କର ।

महापात्र : प्रार्थना तु जा'। बोउकु साहाज्य
कर।

प्रार्थना : दृष्टि बापा।

प्रार्थना : हउ बापा।

महापात्र : इए एबु आम ओडिअ
जलक्षिअ। 'चुड़ाघषा' थाउ
'डालमा'। आरम्भ करन्नू।

महापात्र : इए सबु आम ओडिअ
जलखिअ। 'चुड़ाघषा' आउ
'डालमा'। आरंभ करन्तु।

ठिखारी : बाघ ! भारि सूथादिअ।

तिवारी : वाः भारि सुआदिअ।

महापात्र : ढाहाहेले थाउ टिके खाथान्नू।

महापात्र : ताहाहेले आउ टिके खाआंतु।

ठिखारी : आच्छा, दिअन्तु।

महापात्र : ठिखारी बाबु; आम ओडिशा
गोटिए मन्दिर मालिनी पुर्देश
। पूराग जगन्नाथ मन्दिर,
छुबनेश्वरर लिंगराज मन्दिर
उथा कोणार्कर पूर्ण्य प्रसिद्ध
भारत पुर्यित। कालि ३
हुनुमान मन्दिर मध्य पश्चिम।
धैरे धैरे आपश एसबु
देखन्नू।

महापात्र : तिवारी बाबु; आम ओडिशा गोटिए
मन्दिर मालिनी प्रदेश। पुरीर
जगन्नाथ मन्दिर, भुवनेश्वरर
लिंगराज मन्दिर तथा कोणार्कर सूर्य
मन्दिर भारत प्रसिद्ध। काळि औ

प्रार्थना : हाँ पिताजी।

महापात्र : ये सब हमारे ओडिआ जलपान
'चुड़ाघषा' और 'डालमा' हैं। आरंभ
किजिए।

तिवारी : वाह ! बहुत स्वादिष्ट हैं।

महापात्र : तब तो और थोड़ा खाइए।

तिवारी : अच्छा, दीजिए।

महापात्र : तिवारी बाबु, हमारा ओडिशा मंदिरों
का प्रदेश है। पुरी का जगन्नाथ
मंदिर, भुवनेश्वर का लिंगराज
मंदिर तथा कोणार्क का सूर्य मंदिर
भारत में प्रसिद्ध हैं। काली और
हनुमान मंदिर भी श्रेष्ठ हैं। धिरे धिरे
आप इए सब देखिए।

लता : अगली छुट्टी में अपनी पत्नी को भी
लाइए।

हनुमान मंदिर मध्य श्रेष्ठ । धीरे धीरे
आपण एसबु देखन्तु ।

- लठा : थापन्तु कूटिरे थापशङ्का शृंकु
प्रधान थापन्तु ।
लता : आसन्ता छुटिरे आपणक स्त्रीकु मध्य
आणंतु ।

शब्दार्थ

ओडिआ शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
भिटरकु	भीतरकु	अंदर
थापन्तु	आसंतु	आइए
बषन्तु	बसंतु	बैठिए
शांग	सांग	मित्र
थाम	आम	हम
बढ़बाबू	बड़बाबू	बड़बाबू
यृङ्क	याँक	इनका
छाउजि	भाउज	भाभी
मो	मो	मेरे
मूँ	मुँ	में
पूथ	पुअ	पुत्र, बेटा
हौथ	झिअ	पुत्री, बेटी
तू	तु	तू
या'	जा	जा
नाँ	नाँ	नाम
थपा	अपा	दीदी / बड़ी बहन
तूमे	तुमे	तुम
ज्ञलिथा	जळखिआ	जलपान
थाण	आण	लाओ
थाउ	आउ	और
पाणि	पाणि	पानी

ଗ'	ଚା	ଚାୟ
ଶାହ୍ରାୟ୍ୟ କର	ସାହାଜ୍ୟ କର	ସହାୟତା କର
ବାପା	ବାପା	ପିତାଜୀ
ଇଏ ସବୁ	ଇଏ ସବୁ	ଯେ ସବ
ଚୁଡ଼ାଘଷା	ଚୁଡ଼ାଘଷା	ଚୁଡ଼ାଘଷା (ଚୁଡ଼ା ସେ ବନା ହୁଆ ଏକ ଖାଦ୍ୟ)
ଡାଲମା	ଡାଲମା	ଡାଲମା (ଦାଳ, ଟମାଟର, ଆଦି ସେ ବନୀ ହୁଈ ଏକ ପ୍ରକାର କି ସବ୍ଜି)
ଆରମ୍ଭ କରନ୍ତୁ	ଆରଂଭ କରନ୍ତୁ	ଆରଂଭ କୀଜିଏ
ସୁଆଦିଆ	ସୁଆଦିଆ	ସ୍ଵାଦିଷ୍ଟ
ଟିକିଏ	ଟିକିଏ	ଥୋଡ଼ା
ଖାଥାନ୍ତୁ	ଖାଆଂତୁ	ଖାଇଏ
ଦିଅନ୍ତୁ	ଦିଅନ୍ତୁ	ଦୀଜିଏ
ଗୋଟିଏ	ଗୋଟିଏ	ଏକ
ମନ୍ଦିର ମାଳିନୀ	ମଂଦିର ମାଳିନୀ	ମଂଦିରଙ୍କ ଶୃଂଖଲା
ଆପଣ	ଆପଣ	ଆପ
ଦେଖନ୍ତୁ	ଦେଖନ୍ତୁ	ଦେଖିଏ
ଆସନ୍ତୁ	ଆସନ୍ତା	ଅଗଲେ
ଥର	ଥର	ବାର, ସମୟ
ଛୁଟିରେ	ଛୁଟିରେ	ଛୁଟୀ ମେ
ଆପଣଙ୍କ	ଆପଣଙ୍କ	ଅପନା
ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ	ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ	ପତ୍ନୀ କୋ
ଆଶନ୍ତୁ	ଆଣନ୍ତୁ	ଲାଇଏ

ଅଭ୍ୟାସ

I. ନୀଚେ ଦିଏ ଗଏ ବାକ୍ୟ ଦୋହରାଇଏ ।

- 1) ନମସ୍କାର ଚିଖାରୀ ବାବୁ ।
ନମସ୍କାର ତିଵାରୀ ବାବୁ ।
- 2) ଭିତରକୁ ଆସନ୍ତୁ ।
ଭିତରକୁ ଆସନ୍ତୁ ।

3) इए मौ थाङ रमेश छिखर।
इए मौ सांग रमेश तिवारी।

4) तुम नाँ क'ण ?

तुम नाँ क'ण ?

5) बाघ! भारि युआदिआ।
बाः ! भारि सुआदिआ।

II. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों के साथ ‘आपश’ (आपण) ‘आप’ का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :-	याथानु जाआंतु	आपश याथानु आपण जाआंतु
1.	खाथानु खाआंतु	3. आषनु आसंतु
2.	बसनु बसंतु	4. आशनु आणंतु
5.	आरम्भ करनु आरंभ करंतु	

III. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर पाँच पाँच वाक्य बनाइए।

उदाहरण 1:- इए मौ थाङ रमेश।

उदाहरण 1:- इए मौ सांग रमेश।

मधुलिटा

मधुलिता

राजा

पिंकि

पिंकि

विमल

बिमल

पल्लवी

पल्लवी

ઉદાહરણ 2:- ઇએ મો સાંગ રાઘવ |

ઉદાહરણ 2:- ઇએ મો સાંગ રાઘવ |

બઢિબાળુ

બડિબાળુ

બાપા

બાપા

પૂઅ

પુઅ

મેઢુ

મિત્ર

અપીયર

અફિસર

ઉદાહરણ 3 :- તૂમે કિરુ જલશિથા આણ |

ઉદાહરણ 3:- તુમે કિછિ જલશિયા આણ |

ઢાલમા

ડાલમા

તૂઢિઘષા

ચુડ્ધાઘષા

ઢા'

ચા'

પાણી

પાણિ

ઉદાહરણ 4:- ઇએ સરુ ઓઢિથા જલશિથા |

ઉદાહરણ 4:- ઇએ સરુ ઓડિયા જલશિયા

બંગાલ1

બંગાળી

હિન્દુસ્તાન1

હિન્દુસ્તાની

ગુજરાટી

ગુજરાતી

પણાબ1

पंजाबी
काश्मीरी
काश्मीरी

IV. उदाहरण के अनुसार दी गई क्रियाओं का प्रयोग कर तीन तीन वाक्य बनाइए ।

उदाहरण :-	॥	दू खाथ
	खा	तु खाअ
	दूमे खाथ	आपठ खाआनू
	तुमे खाअ	आपण खाआंतु
	या'	आश
	जा'	आण
	बष	आष
	बस	आस
	दे	
	दे	

V. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए ।

उदाहरण :	जै थाङ्ग (दूम)		जै दूम थाङ्ग।
	इए सांग (तुम)		इए तुम सांग।
1.	जै उछिन (मो)		2. जै दैथ (यांक)।
	इए भाऊज (मो)।		इए झिअ (यांक)।
3.	एमाने पूथ (आम)		4. जै ओढिशा (आपठक)।
	एमाने पुअ (आम)		इए ओडिशा (आपणक)
5.	जै घर (दूम)		
	इए घर (तुम)		

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्न वाक्य पूरे कीजिए ।

(अपिंसर, सूर्यप मन्दिर, अपा, आम, लता)

(अफिसर, सूर्यमंदिर, अपा, आम, लता)

1. आम ----- बड़बाबू	2. दूड़ाघषा ----- छलिआ
आम ----- बड़बाबू	चुड़ाघषा ----- जळखिआ
3. केशार्कर -----	4. पुर्धना पुणीकर -----

-- |

	कोणार्कर -----	प्रार्थना प्रतीकर -----
5.	मो घृ1 -----	
	मो स्त्री -----	

VII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओडिशा शब्दों से वाक्य पुरे कीजिए।

उदाहरण :-1)	मो ----- लड़ा । (भाभी) 2)	मो उछून लड़ा ।
	मो ----- लता (भाभी) ।	मो भाउज लता ।
1.	मो ----- रमेश छिखारी । (मित्र)	
	मो ----- रमेश तिवारी । (मित्र)	
2.	मो ----- प्रुठि । (बेटी)	
	मो ----- प्रीति । (बेटी)	
3.	मो ----- बहू । (बेटा)	
	मो ----- बण्टि । (बेटा)	
4.	मो ----- दृष्टिप्रशाद । (मौसा)	
	मो ----- हरिप्रसाद । (मौसा)	
5.	मो ----- कमलाकान्तु । (बाबुजी)	
	मो ----- कमलाकान्त । (बाबुजी)	

VIII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पुरे कीजिए।

उदाहरण :-	पाथ, ----- आठ । (जलक्षिआ, मन्दिर)
	जाअ, ----- आण । (जळखिआ, मंदिर)
	पाथ, जलक्षिआ आठ ।
	जाअ, <u>जळखिआ</u> आण ।

- पा, _____ धाराय प कर । (बोउकु, ओଡिशा)
जा, _____ साहाज्य कर । (बोउकु, ओडिशा)
- पाथान्तु, _____ देखन्तु । (पाणि, मन्दिर)
जाआन्तु, _____ देखन्तु । (पाणि, मंदिर)
- आपठ _____ आयन्तु । (प्रदेश, घरकु)

आपण _____ आसंतु । (प्रदेश, घरकु)

4. प्रार्थना धाथ, _____ कर । (नमस्कार, लक्ष्मी)

प्रार्थना जाअ, ----- कर । (नमस्कार, लखनउ)

5. आषन्तु थर ----- आषन्तु । (शृङ्खला, पाहाड़)

आसन्ता थर ----- आणन्तु । (स्त्रीकु, पाहाड़)

पढ़िए और समझिए

आम घर

आम घर

मँ मधु । एछे आम घर । ऐ मो मा' । ऐ मो बापा । ऐ मो भाइ । मो

मुँ मधु । इह्टि आम घर । इह मो मा । इह मो बापा । इह मो भाइ । मो
भाइर नाँ राजा । ए शिशु मानंकर डाक्तर । इह मो भाऊज रमा । से जणे
शिक्ष्यत्रु । ए मो बड़ भउणी । मो बड़ भउणीर नाँ बसुंघरा । तांकर स्वामींक नाँ

शिक्ष्यत्री । से मो बड़ भउणी । मो बड़ भउणीर नाँ बसुंघरा । तांकर स्वामींक नाँ
बिजय । ए जणे शिक्षक । सेमानंकर पुअ नाँ धनुष ।

विजय । से जणे शिक्षक । सेमानंकर पुअ नाँ धनुष ।

शब्दार्थ

ओडिआ शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
एछे	एह्टि	यहाँ
एछे	एह्टि	यह
मा'	मा'	माँ, माताजी
भाइना	भाइना	बड़े भैया
जणे	जणे	एक
शिशुमानंकर	शिशुमानंकर	शिशुओं का
भाऊज	भाऊज	भाभी
तांकर	तांकर	उनका

घेमानङ्कर सेमानंकर उन लोगोंका
अभ्यास

I. अनुच्छेद के अनुसार सही कथन चुनिए ।

- | | |
|-----------------------------|------------------------|
| 1. देख, एकटि आम घर । | 2. कटक मो मउसा घर |
| | |
| देख, इस्टि आम घर । | कटक मो मउसा घर । |
| 3. मो बापा जिशे ढाकुर । | 4. मो भाऊ शिक्षयत्री । |
| मो बापा जणे डाक्तर । | मो भाऊ शिक्षयत्री । |
| 5. घेमानङ्कर पूथ नाँ धनुष । | |
| सेमानंकर पुअ नाँ धनुष । | |

II. प्रत्येक शब्द समूह से अनुपयुक्त शब्द निकालिए ।

- | | |
|-----------------------------|--------------------------------|
| 1. ज़ल्जिआ, दैथ, चूड़ा, चा' | 2. आसनू, थांग, खाआनू, |
| याआनू | |
| ज़ल्खिआ, झिआ, चुड़ा, चा' | आसन्तु, सांग, खाआन्तु, जाआन्तु |
| 3. कटक, भाऊज, बोउ, मामुँ | 4. मोर, ढाक्कर, ढाकुर, धूक्कर |
| कटक, भाऊज, बोउ, मामुँ | मोर, तांकर, डाक्तर, यांकर |
| 5. मूँ, घे, दुमो, मोर | |
| मुँ, से, तुमे, मोर | |

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

कोणार्क मन्दिर अठि शूद्धर । (कोणार्क) एहा पृथिवीर अष्टम आश्चर्य । भुवनेश्वरर
राजराणी मन्दिर मध्ये प्रसिद्ध । तार शोभा अति सुंदर । कोणार्क मन्दिर थारा
राजराणी मंदिर मध्य प्रसिद्ध । तार शोभा अति सुंदर । कोणार्क मंदिर सारा
भारतरे बिरल । आपण कोणार्क मन्दिर देखन्तु ।

IV. ओडिआ में अनुवाद कीजिए ।

मैं कमला हूँ । मेरा घर हरिद्वार में है । मेरे बड़े भाई का नाम सुधीर है । वे एक अध्यापक हैं ।
V. अपने बारे में एक छोटा अनुच्छेद ओडिशा में लिखिए ।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में दो प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।

उदाहरण (1) :- 1. छै ग्रो शाङ्ग रमेश छिखारी । ये मेरे मित्र रमेश तिवारी हैं ।

इए मो सांग रमेश तिवारी ।

2. ग्रो नाँ पुलाक । मेरा नाम प्रतीक है ।
 मो नाँ प्रतीक ।

उदाहरण (2) :- 1. प्रार्थना, छू धा' । प्रार्थना, तू जा ।

प्रार्थना, तु जा' ।

2. लड़ा, छूमे शाथ । लता, तुम जाओ ।
 लता, तुमे जाओ ।

3. रमेश चाहू, आपही शाथान्तु । रमेश बाबू, आप जाइए ।
 रमेश बाबू, आपण जाआन्तु ।

उदाहरण 1 के ओडिशा वाक्य किया रहित वाक्य हैं। ओडिशा में किया शब्द का व्यवहार न करते हुए भी ऐसे वाक्य बन सकते हैं। लेकिन हिंदी में इस तरह के वाक्यों में अस्ति वाचक किया (योजक किया) 'है / हैं' का व्यवहार आवश्यक है। जैसे :-

छै ग्रो अपा प्रार्थना । यह / ये मेरी दीदी प्रार्थना
 है/ हैं ।
 इए मो अपा प्रार्थना ।

उदाहरण 2 के ओडिशा वाक्य आज्ञावाचक वाक्य हैं। ओडिशा में मध्यम पुरुष अनादरार्थक सर्वनाम के लिए 'छू' (तु) 'तू', आदरार्थक सर्वनाम के लिए 'छूमे' (तुम) 'तुम' तथा अधिक आदरार्थ सर्वनाम के लिए 'आपही' (आपण) 'आप' का प्रयोग होता है और इनके अनुसार आज्ञावाचक किया का रूप भी बदल जाता है ।

उदाहरण :- छू धा' (तु जा) = तू जा (अनादरार्थक)

छूमे शाथ (तुम जाओ) = तुम जाओ (आदरार्थक)

आपही शाथान्तु (आपण जाआन्तु) = आप जाइए (अधिक आदरार्थक)

II. ओडिआ के सर्वनाम निम्न प्रकार के हैं।

उत्तम पुरुष

एकवचन (एकवचन)	बहुवचन (बहुवचन)		
मूँ	मैं	आमे / आमें	हम
मुँ		आमे / आम्बे	
		आमेमाने / आमेमाने	हमलोग
		आमेमाने / आम्बेमाने	

मध्यम पुरुष

एकवचन (एकवचन)	बहुवचन (बहुवचन)		
तू	तू		
तू			
तूमे / तूमें	तुम	तूमेमाने / तूमेमाने	
तुमलोग		तुमेमाने / तुम्भेमाने	
तुमे / तुम्हे		आपशाना	
आपशा			
आपण (आदरार्थक)	आप	आपणमाने	आपलोग

अन्य पुरुष

एकवचन (एकवचन)	बहुवचन (बहुवचन)		
ये	यह/वह	येमाने	ये/वे (पुं/स्त्री)
से		सेमाने	
घेइटा	वह	घेगूड़िक	वह (न.पु.)
सेइटा		सेगुड़िक	
एइटा	यह	एगूड़िक	यह (न.पु.)
एइटा		एगुड़िक	

III. ओडिआ के संबंध कारक, उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुष सर्वनामों के रूप नीचे दिए

गए हैं।

उत्तम पुरुष

एकवचन (एकवचन)	(बहुवचन) बहुवचन
मेरा	आमर
मोर	आमर आममानज्जर/
	आममानंकर/ आमूमानज्जर
	आम्भमानंकर

मध्यम पुरुष

एकवचन (एकवचन)	(बहुवचन) बहुवचन
तेरा	तेरा
तोर	
तुमर	तुम्हारा
तुमर	तुममानज्जर तुममानंकर तुमूमानज्जर
आपशंज्जर	आप का
आपणंकर	आपशमानज्जर आपणमानंकर

अन्य पुरुष

एकवचन (एकवचन)	(बहुवचन) बहुवचन
ठार/ठाङ्गर/घृङ्गर	('उसका'/‘इसका’)
तार/तांकर/यांकर	गेमानज्जर सेमानंकर उनका/उनलोगोंका

IV. निम्न वाक्यों पर ध्यान दीजिए ।

छिटकू आथ

अंदर आङ्गे

भितरकु आस	
बाहूरकु थाथ	बाहर जाओ
बाहरकु जाअ	
मन्दिरकु ठाल	मंदिर चलो
मंदिरकु चाल	
लाइब्रेरीकु थाथ	लाइब्रेरी में आओ
लाइब्रेरीकु आस	
दुकानकु थाथ	दुकान में आओ
दोकानकु आस	

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्दों में 'कु' (कु) 'को' का प्रयोग स्थानवाचक शब्द पर बल देने के लिए किया गया है। समझिए कि ओड़िआ का 'कु' (कु) 'कु' हिंदी के 'को' जैसे कर्मकारकीय है। इस प्रकार ओड़िआ के 'कु' (कु) परसर्ग का प्रयोग इस पाठ में स्थानवाची संबंध दिखाने के लिए प्रयुक्त हुआ है।

V. ओड़िआ में रिश्तेवाचक संज्ञाओं के लिए निम्न शब्दों का प्रयोग किया जाता है :-

ओड़िआ	देवनागरी	हिंदी
बापा	बापा	पिताजी
बोछ / मा	बोउ	माँ, माताजी
भाउछ / नूथाबोछ	भाउज / नूआबोउ	भाभी
मछषा / माउषा	मउसा / माउसी	मौसा / मौसी
भाउना / भाउ / नना	भाइना / भाइ / नना	भैया/ भाई
अपा / नाना	अपा / नानी	दीदी